ISSN : 3048-6203 Volume -3| Issue -1| Jan - June 2026

शोध भूमि

शिक्षा एवं शिक्षण शास्त्र विषय की पूर्व समीक्षित शोध पत्रिका

Page No. : 1-6

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में शिक्षकों की भूमिका

सुगम कुमार दुबे
शोधार्थी, शिक्षा संकाय
लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, भारत
ईमेल :sugamkumardubey@gmail.com
डॉ. पूजा दुबे
असिस्टेंट प्रोफेसर, शिक्षा विभाग
कृष्णा देवी गर्ल्स डिग्री कॉलेज, रामनगर, आलमबाग, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, भारत

सारांश

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारत की शिक्षा प्रणाली की अद्यतन और उन्नत बनाने के उद्देश्य से तैयार की गई हैं। यह नीति विद्यार्थियों को अनुकूलित शिक्षा और कौशलों से युक्त करना हैं, इस उद्देश्य को पूरा करने में शिक्षकों की महती भूमिका होगी जो पूरे देश में शिक्षा की गुणवत्ता में एक व्यापक सुधार के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करता हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति का ध्येय भावी पीढ़ियों के लिए एक मजबूत स्तम्भ तैयार करना है जो यह निश्चित करें कि सभी छात्रों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्राप्त कर अपने जीवन में आने वाली चुनौतियों का सामना कर सके और जिसमें शिक्षक एवं मार्गदर्शक के रूप में यह व्यापक परिवर्तन कर छात्रों को बेहतर भविष्य का आधार प्रदान कर सकता है क्योंकि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सफल एवं प्रभावी क्रियान्वयन में शिक्षकों की महती भूमिका होगी। क्योंकि शिक्षक ही राष्ट्र के भावी कर्णधारों में मूल्य, संवेदनशीलता एवं सकारात्मक दृष्टिकोणों का निर्माण करेंगे तभी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों की पूर्ति हो पाएगी।

मुख्य शब्द– राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020, शिक्षक, सर्वांगीण विकास।

प्रस्तावना –

शिक्षा किसी भी प्रगतिशील राष्ट्र एवं समाज की आत्मा होती हैं क्योंकि शिक्षा ही यह समाज को आकार और मार्गदर्शन प्रदान करती है इसीलिए अगर समाज को बेहतर बनाना है तो उसमें शिक्षक ही मार्गदर्शक, अभिभावक और उत्प्रेरक की भूमिका निभाते हैं। यही कारण हैं कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को प्रासंगिक और प्रभावी बनाना है तो इसमें सबसे महती भूमिका शिक्षक की ही होगी। क्योंकि किसी भी शिक्षा नीति को बनाने से ज्यादा चुनौतीपूर्ण कार्य उस नीति का क्रियान्वयन होता है जिसमें शिक्षक को अपनी अहम भूमिका निभानी होती है अगर शिक्षण नीतियों का प्रसार नहीं करेगा तो वह नीति अप्रभावी हो जाती हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति– 2020 में जो भी नए परिवर्तन हुए हैं उन तथ्यों को पहले शिक्षक समझ कर फिर अभिभावकों को समझाने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं क्योंकि यह जिम्मेदारी सिर्फ शिक्षकों के कंधे पर हैं और शिक्षक को इस जिम्मेदारी को बखूबी निभाना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में चाणक्य के वाक्य कि ''शिक्षक कभी साधारण नहीं होता, उसकी गोद में प्रलय का निर्माण एक साथ पलते हैं'' को उद्धृत करते हुए कहा कि विद्यार्थी के जीवन से शिक्षक ही परिवर्तन ला सकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 विद्यार्थियों को रोजगार व स्वरोजगार प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका प्रदान प्रदान करेगा। शिक्षा नीति अपने सकारात्मक परिवर्तनों से भरपूर हैं तथा इसमें सुविधाएँ और अवसर से परिपूर्णता का प्रावधान दिया गया है। इन सभी अवसरों को विद्यार्थियों तक पहुंचाने का कार्य शिक्षकों का है। वर्तमान समय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए शिक्षक के महत्व पर सर्वाधिक जोर देती हैं जिसमें उल्लेख हैं कि प्रत्येक विद्यार्थी की विशिष्ट क्षमताओं की पहचान और उसके विकास के लिए अध्यापकों एवं अभिभावकों को इनकी क्षमताओं के प्रति संवेदनशील होना पड़ेगा, जिससे कि विद्यार्थियों की अकादमिक और अन्य क्षमताओं का पूर्ण विकास हो सके। क्योंकि राष्ट्रीय शिक्षा. नीति– 2020 में शिक्षक को विद्यार्थियों के लिए एक आदर्श गुरु एवं मार्गदर्शक के सभी आध्यात्मिक, व्यावसायिक एवं नैतिक गुणों को आत्मसात करने की परिकल्पना की गई है। जो भावी पीढ़ी के लिए राष्ट्र और उसकी समृद्ध विरासत की मार्ग प्रशस्त कर सके जिससे सहिष्णुता, सद्भाव, प्रेम एवं सम्मान का भाव राष्ट्र के प्रति बना रहे। एक शिक्षक से यह अपेक्षा की जाती है कि वह भारतीयता के सार और पेशेवर गुणों को इस हद तक आत्मसात् करें कि वह युवाओं के लिए आदर्श बन जाए क्योंकि हमारे संस्कृति में स्वामी दयानन्द सरस्वती, रवीन्द नाथ टैगोर, डॉ0 सर्वपल्ली राधाकृष्णन,

डॉ० ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम जैसे कई महान दूरदर्शी शिक्षकों से प्रेरणा लेने के लिए हमें प्रेरित करता है जिन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन राष्ट्र की सेवा में समर्पित कर दिया।

कलाम ने कहा– ''अगर लोग मुझे एक अच्छे शिक्षक के रूप में याद करते हैं तो यह मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान होगा।'' क्योंकि एक साधारण शिक्षक बच्चों को केवल पढ़ाता है। लेकिन एक अच्छा शिक्षक अच्छे मानव को तैयार करता है जबकि एक श्रेष्ठ शिक्षक अपने हासिल किए गए अनुभवों और बहुआयामी ज्ञान से प्रतिभावन एवं चरित्रवान पीढ़ी का निर्माण करता है आज हमें एक ऐसे शिक्षक की आवश्यकता हैं जो केवल अपने विषय में निपुण न हो बल्कि एक मार्गदर्शक और सहपाठी के रूप में शिक्षण कार्य करें साथ ही एक आदर्श शिक्षक के रूप में अपना व्यक्तित्व स्थापित करें यही राष्ट्रीय शिक्षा नीति– 2020 का विजन है जिसके लिए सभी प्रयास कर रहे है क्योंकि यह नीति केवल ज्ञान आधारित विद्यार्थी नहीं अपितु मानवीय गुणों से परिपूर्ण विद्यार्थी तैयार करने की संकल्पना लेकर चल रही है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के उद्देश्यों को प्राप्त करने में तथा राष्ट्र को शैक्षणिक क्षेत्र में भी अग्रसर करने में शिक्षक की अभूतपूर्ण भूमिका होगी तभी जन–जन तक हम राष्ट्रीय शिक्षा नीति की पहुँच प्राप्त कर सकेंगे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रमुख उद्देश्य –

राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के उद्देश्य में 2030 तक भारत की शिक्षा प्रणाली को बदलना है। जिसे बदलने के लिए शिक्षकों की भूमिका अहम होगी।

1. **सर्वांगीण विकास**–राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्य के तहत 2020 शिक्षा को अधिक समग्र और व्यापक बनाने पर जोर दिया गया है इसके केवल किताबों का ज्ञान ही नहीं अपितु कला, संगीत, खेल, कौशल विकास और नैतिक शिक्षा को भी शामिल किया गया है. जिससे छात्रों का सर्वांगीण विकास हो सके।
2. **तकनीकी शिक्षा** – NEP–2020 के उद्देश्य में छात्रों को भविष्य के की तकनीकी चुनौतियों के लिए तैयार करना है। वे तकनीकी रूप से सक्षम बन सकें।
3. **शिक्षकों का विकास**– नई शिक्षा नीति – 2020 में शिक्षकों के विकास को भी प्राथमिकता दी गयी हैं। इसका उद्देश्य शिक्षकों को बेहतर प्रशिक्षण और समर्थन प्रदान करना है ताकि वे उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा दे सकें और साथ ही तकनीकी साधनों का प्रयोग कर शोध एवं नवाचार के भेल में भी अपना योगदान दे सके।

4. **समावेशी शिक्षा** – राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के उद्देश्य सामाजिक एवं आर्थिक रूप से वंचित, दिव्यांग बच्चों और लड़कियों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा कराना ताकि शैक्षिक रूप से सबको समान अवसर प्राप्त हो सके।
5. **कौशल विकास** – राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में विद्यार्थियो को रचनात्मक, आलोचनात्मक सोच एवं समस्या समाधान के गुण से परिपूर्ण किया जाय जिससे उनमें व्यावसायिक क्षमता विकसित हो सके।
6. **मातृभाषा/ स्थानीय भाषा**– राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 में शिक्षा के माध्यम को मातृभाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा को बढ़ावा देना है। जिससे विद्यार्थियों की शिक्षा में भाषीय रूप बाधा उत्पन्न न हो।
7. **उच्च शिक्षा में सुधार**– राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 में को 50% एकल नामाकंन अनुपात तक बढ़ाना, बहु–प्रवेश निकास प्रणाली एवं एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट की स्थापना कर उच्च शिक्षा में सुधार करना है। साथ ही शिक्षा क्षेत्र में सार्वजनिक व्यय को GDP के 6% तक बढ़ाना है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020 के क्रियान्वयन में शिक्षकों की भूमिका–

1. **पाठ्यचर्या सम्बन्धी उत्तरदायित्व**–राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के अनुसार शिक्षक पाठ्यचर्या में उल्लिखित नए पाठ्यक्रम और शैक्षणिक दृष्टिकोण को लागू करने का उत्तरदायित्व है। इसके लिए शिक्षक को स्वयं विषय में निपुण हो जिससे छात्रों को व्यावहारिक रुप से विषय वस्तु को प्रदान कर सके।
2. **मूल्याकंन में सुधार**– शिक्षा का दायित्व है कि छात्रों में परीक्षा के भय को कम करना और अंक केन्द्रित मूल्याकंन की बजाय विद्यार्थियों के कौशलों का समग्र और सतत एवं निरन्तर मूल्याकंन करें। क्योकि शिक्षक निष्पक्ष और व्यापक मूल्याकंन विधियों की रचना करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं जिनके माध्यम से वे विद्यार्थियों का सटीक मापन कर पाते हैं।
3. **कक्षाकक्ष का वातावरण** – कक्षाकक्ष का वातावरण विद्यार्थियों के अनुकूल हो क्योंकि शिक्षक–छात्र का संवाद बहुत जरूरी है क्योंकि शिक्षक कक्षा कक्ष में अहम भूमिका निभाते है अच्छा, खुशनुमा वातावरण तैयार करता है तो विद्यार्थियों के सीखने पर विशेष प्रभाव

पड़ता है शिक्षक को हमेशा विद्यार्थियों की सकारात्मक पुनर्बलन भी प्रदान करते रहना चाहिए।

4. **मार्गदर्शक और परामर्शदाता के रूप** –राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 में यह कहा गया है कि शिक्षक केवल पाठ्य पुस्तक ही सीमित न रहकर वह छात्रों के लिए मार्गदर्शक, प्रेरक एवं संरक्षण की भूमिका निभाएंगे जो उनके सर्वांगीण विकास में सहायता करेंगे।
5. **आदर्श के रूप में**– राष्ट्रीय शिक्षानीति – 2020 में यह बताया गया कि शिक्षक विद्यार्थियों के साथ बहुत समय बिताते है और वह उनके व्यवहार, आचरण एवं गुणों के आधार पर विद्यार्थियों के लिए एक आदर्शवादी शिक्षक की भूमिकायें हो जिससे विद्यार्थियों से अपेक्षा होगी कि वह समाज में अच्छा आचरण करेगा।

निष्कर्ष–

राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 शिक्षकों को प्रणालीगत परिवर्तन के केन्द्र में रखकर भारत की शैक्षिक सुधार यात्रा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाना है। शिक्षा के भविष्य को आकार देने में उनकी भूमिका को कम नही आँका जा सकता। राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 एक उज्जवल और अधिक समावेशी शिक्षा प्रणाली के लिए एक रोडमैप प्रदान करता है और शिक्षक भविष्य का मार्गदर्शन करने वाले पथप्रदर्शक है क्योंकि 21वीं सदी की जरूरतों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने में शिक्षक सक्षम है। एक शिक्षक विद्यार्थियों में रटने की आदत से दूर जाने को बढ़ावा देता है और उन्हें स्वयं सीखने के लिए प्रेरित करता है शिक्षक छात्रों में सकारात्मक, रचनात्मक, गुणों का विकासकर उन्हें एक अच्छा भविष्य प्रदान करता है जिससे वह विद्यार्थी अपने उद्देश्यों की प्राप्ति कर सके। शिक्षा ही विद्यार्थियों में मूल्य, नैतिकता एवं सामाजिक मूल्यों का विकास करता है जिससे वह समाज में एक अच्छे नागरिक के रूप में अपना जीवन जी सके।

इस प्रकार हम कह सकते है शिक्षक शिक्षा प्रक्रिया का मेरूदण्ड होते है और उनका स्थान सर्वोच्च होना चाहिए क्योंकि 21वी सदी के भारत की आवश्यकताओं को पूरा करने एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020 के क्रियान्वयन में शिक्षक की मुख्य भूमिका होगी।

सन्दर्भ

1. **तिवारी, रविन्द्रनाथ (2020)** राष्ट्रीय शिक्षा नीति और शिक्षक : International Journal of management, vol-ii.

2. **एस0 स्मिता (2020)** राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020 शिक्षक शिक्षा में अवसर एवं चुनौतियॉ : International Journal of management, vo,-ii, issue-11.
https://rastriyashiksha.com/bharat-centric-natinal-education-policy-with-serve-global-objectives/
http:///rastriyashiksha.com/national-education-policy-and-teacher/
3. **पाण्डेय, सुनील कुमार (2022)** राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020 में व्यावसायिक शिक्षा की संकल्पना : अवसर एवं चुनौतियॉ, IJARSCT, vol-2, issue-1.
http://ijarsct.co.in/
4. **दयाल, डॉ0 प्रभु, (2024)** International Journal of Applied Research : राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020 के सफल क्रियान्वयन में शिक्षक की भूमिका (vol-10, issue 8).
http://www.allresearchjournal.com
5. **श्रीवास्तव, डॉ0 रीता (2023)** शिक्षकों की शिक्षण शैली के सन्दर्भ में राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020 का अध्ययन : International Journal of novel research and Development, vl-8, issue-031ijnrd.org/papers/DNRD2303316.pdf.
6. http://www.dristiias.com/hindi/burning-issue-og-the-month/new-educaiton-policy.
7. http://www.education.gov.in.
8. https:iciet.ncert.gov.in